जागृति

वर्ष:67 अंक-8 मुम्बई जुलाई 2023

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा 'खादी योगा मैट' का लोकार्पण

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री द्वारा चैंपियंस 2.0 पोर्टल लॉन्च

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

वर्ष:67 अंक-8 मुम्बई जुलाई 2023

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

कलाकार
दिलीप पालकर

उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-17

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 'खादी योगा मैट' किया गया लॉन्च 3

सेवापुरी, वाराणसी में आयोग की 698वीं बैठक आयोजित 5

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री द्वारा चैंपियंस 2.0 पोर्टल लॉन्च 6

केवीआईसी ने रचा इतिहास, 9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि 8

केवीआईसी के अध्यक्ष ने हैदराबाद में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित 300 कारीगरों को उपकरण और प्रमाण पत्र वितरित.....11

खादी गतिविधियों के विकास के लिए तेलंगाना में खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और केवीआईसी कर्मचारियों के साथ चर्चा.....13

तेलंगाना राज्य में खादी ग्रामोद्योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा उपकरणों का वितरण.....14

एंब्रेस द कॉल ऑफ द वाइल्ड! 15

केवीआईसी के कार्यालयों में एमएसएमई दिवस समारोह.....16

विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण 17

मीडिया कवरेज.....18 से 24

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'खादी योगा मैट' किया गया लॉन्च

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 के शुभ अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने मुंबई स्थित केवीआईसी मुख्यालय में 'खादी योगा मैट' को लॉन्च किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मनोज कुमार ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाया जा रहा 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' दिन प्रति दिन नये मानदंड स्थापित कर रहा है। 'खादी योगा मैट' को लॉन्च करना भी इसी अभियान का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि यह योग चटाई पूरी तरह से घरेलू और पर्यावरण के अनुकूल है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि सभी तरह के योगासन इस पर

किये जा सकते हैं।

इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत पश्चिमी क्षेत्र के 237 लाभार्थियों के लिये करीब 25 करोड़ रूपये का मार्जिन राशि अनुदान जारी किया। उन्होंने वित्त वर्ष 2022- 23 में 1.34 लाख करोड़ रूपये का एतिहासिक कारोबार होने पर देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले लाखों खादी कारीगरों और केवीआईसी अधिकारियों को बधाई दी।

श्री मनोज कुमार ने 'खादी योगा मैट' जारी करने से पहले केवीआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सुबह आयोजित कार्यक्रम में योग और प्रणायाम किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का ही प्रयास था जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस मनाने का प्रस्ताव किया जिसे तीन महीने की अवधि में ही स्वीकार कर लिया गया और 21 जून, 2015 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से भारत योग गुरू के रूप में आज दुनिया को योग का पाठ पढ़ा रहा है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केवीआईसी ने "वोकल फार लोकल" (स्थानीय उत्पाद के लिये मुखर) और "आत्मनिर्भर भारत" अभियान अवधारणा को नई उंचाईयों पर पहुंचाया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी उत्पादों का बिक्री कारोबार 1.34 लाख करोड़ रूपये के पार पहुंचा जबकि इस दौरान ग्रामीण इलाकों में 9,54,899 रोजगार के नये अवसर सृजित किये गये।

उन्होंने कहा कि आज लांच 'खादी योगा मैट' पूरी तरह से घरेलू उत्पाद है जिसे खादी कारीगरों के कौशल से तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि हम सभी को इस नये घरेलू उत्पाद के लिये मुखर होना चाहिये और जब हम सभी स्थानीय उत्पादों को लेकर मुखर होंगे तभी हमारे उत्पाद स्थानीय से वैश्विक उत्पादों की श्रेणी में पहुंचेंगे।

केवीआईसी की एतिहासिक सफलता को दोहराते हुये उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अभियान के साथ पीएमईजीपी ने देश के युवाओं को साथ लाने में नया रिकार्ड स्थापित किया है। इस योजना के साथ 'रोजगार पाने के बजाय रोजगार प्रदाता बनने' का सपना जुड़ा हुआ है।

◆◆◆

सेवापुरी, वाराणसी में आयोग की 698वीं बैठक आयोजित

बैठक में आत्मनिर्भर राष्ट्र के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए ग्रामीण भारत की क्षमता का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक के दौरान केवीआईसी की भविष्य की रणनीतियों और वाराणसी क्षेत्र में 'खादी के गौरव' को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्थक चर्चा की गई।

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री द्वारा चैंपियंस 2.0 पोर्टल लॉन्च

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने देश की जीडीपी और निर्यात में एमएसएमई के महत्व पर जोर दिया और उम्मीद जताई कि एमएसएमई 2030 तक देश की जीडीपी में 50% का योगदान देंगे।

नई दिल्ली, 27 जून, 2013: अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, एमएसएमई ने आज यहां 'उद्यमी भारत-एमएसएमई दिवस' मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे और केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया गया, जो एमएसएमई के विकास के लिए समर्पित हैं। जैसे 'चैंपियंस 2.0 पोर्टल' और 'क्लस्टर परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी केंद्रों की जियो-टैगिंग के लिए मोबाइल ऐप'। इसके अलावा, 'एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 2.0' के परिणाम घोषित किए गए और महिला उद्यमियों के लिए 'एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 3.0' लॉन्च किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री नारायण राणे ने देश की जीडीपी और निर्यात में एमएसएमई के महत्व पर जोर दिया और उम्मीद जताई कि एमएसएमई 2030 तक देश की जीडीपी में 50% का योगदान देगा। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता पर सभी स्टेक होल्डर्स को बधाई दी और सभी से इस दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना।

देश की अर्थव्यवस्था के विकास में भारतीय एमएसएमई की भूमिका की सराहना करते हुए, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कहा कि 2014 के बाद से, भारत की जीडीपी रैंकिंग में 10वें से 5वें स्थान पर महत्वपूर्ण उछाल देखा गया है।

इस अवसर पर दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने गोल्ड और सिल्वर जेड-सर्टिफाइड एमएसएमई को प्रमाण पत्र वितरित कर उद्यमियों को प्रेरित किया। आयोजन के दौरान नई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इकाइयों के 10,075 लाभार्थियों को डिजिटल रूप से 400 करोड़ मार्जिन मनी सब्सिडी भी जारी की

गई।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित संगठनों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी शामिल थे।

· एमएसएमई और सिडबी मंत्रालय, सिडबी द्वारा 'पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान' (पीएमवीआईकेएएस) के लिए एक पोर्टल बनाएगा।

· एमएसएमई और जीईएम मंत्रालय डेटा साझा करने के उद्देश्य से सार्वजनिक खरीद इको-सिस्टम में एमएसएमई के अंतिम मील पंजीकरण के लिए जीईएम के साथ उद्यम पंजीकरण कराएगा।

· एमएसएमई मंत्रालय और उद्योग विभाग, त्रिपुरा सरकार, एपीआई के माध्यम से उद्यम पंजीकरण डेटा साझा करने, नीति निर्माण को आसान बनाने और योजना लाभों के लक्षित वितरण के लिए।

· एमएसएमई क्षेत्र के लाभार्थियों को गारंटी कवरेज देने के लिए एमएसएमई मंत्रालय और सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई)।

· राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम (एनएसएफडीसी) और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम (एनएसटीएफडीसी), राष्ट्रीय एससी-एसटी हब और विभिन्न योजनाओं के तहत एससी/एसटी उद्यमियों को समर्थन देने के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे। एनएसएफडीसी और एनएसटीएफडीसी द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

· एनएसआईसी, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया एनटीएससी चेन्नई और हैदराबाद में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करेंगे।

कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं और पहलों पर प्रकाश डाला गया। इसने एमएसएमई के लिए कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में मंत्रालय के प्रयासों को प्रदर्शित किया और एमएसएमई को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

◆◆◆

केवीआईसी ने रचा इतिहास,

9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि

दिल्ली, 8 जून, 2023: माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर प्रस्तुत की है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। तुलनात्मक रूप से देखें तो पिछले 9 वित्त वर्षों में, ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 31154 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 1,34,630 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में 9,54,899 नये रोजगार का सृजन कर, केवीआईसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री

मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूज्य महात्मा गांधी की प्रेरणा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'ब्रांड शक्ति'

और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश और विदेश में हर मंच से खादी का प्रचार-प्रसार किया है, जिससे आज खादी लोकप्रियता के नये शिखर पर पहुंच चुकी है। आज खादी उत्पादों की गिनती विश्व के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में होती है। वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट्स के उत्पादन में जहां 268 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 332 प्रतिशत के आंकड़े को छू लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर देश की जनता का भरोसा बढ़ा है।

केंद्र की 'मोदी सरकार' के 9 वर्षों के कार्यकाल में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों से, 'स्वावलंबन से समृद्धि' के 9 ऐसे कीर्तिमान स्थापित हुए हैं जिसने खादी को नई संजीवनी दी है।

1–खादी और ग्रामोद्योगी प्रोडक्ट्स के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि–

वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का उत्पादन जहां 26,109 करोड़ रुपये था वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह 268 प्रतिशत के उछाल के साथ 95957 करोड़ रुपये पहुंच गया। उत्पादन का यह आंकड़ा इस बात का सशक्त प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्र में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ऐतिहासिक कार्य किया है।

2–खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री में बड़ा उछाल–

पिछले 9 वित्त वर्षों में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों ने बिक्री के मामले में हर वर्ष नये रिकॉर्ड बनाये हैं। वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154 करोड़ रुपये थी वहीं 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2022-23 में 1,34,630 करोड़ रुपये पहुंच गई, जोकि अब तक की सर्वाधिक बिक्री रही है।

3–खादी कपड़ों (Khadi Fabric) के उत्पादन का नया कीर्तिमान–

पिछले 9 वर्षों में खादी कपड़ों के उत्पादन में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी कपड़ों का उत्पादन 811 करोड़ रुपये था वहीं 260 प्रतिशत के उछाल के साथ यह वित्त वर्ष 2022-23 में 2916 करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गया, जोकि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

4–खादी कपड़ों (Khadi Fabric) की बिक्री ने भी रचा नया इतिहास–

पिछले 9 वित्त वर्षों में खादी के कपड़ों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां इसकी बिक्री सिर्फ 1081 करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में 450 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 5943 करोड़ रुपये पहुंच गई। कोविड-19 के बाद पूरी दुनिया में ऑर्गेनिक कपड़ों की मांग बढ़ी है। इसके कारण खादी के कपड़ों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हर मंच से खादी को प्रमोट करने का भी व्यापक असर खादी के कपड़ों की बिक्री पर पड़ा है।

5–नये रोजगार सृजन और संचयी रोजगार (Cumulative Employment) सृजन का नया कीर्तिमान–

खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है। इस क्षेत्र में भी केवीआईसी ने पिछले 9 वर्षों में रिकॉर्ड कायम किया है। वित्त वर्ष 2013 -14 में जहां संचयी रोजगार (Cumulative Employment) 13,038,444 था, वहीं यह 2022-23 में 36 प्रतिशत वृद्धि के साथ 17,716,288 तक पहुंच गया। इसी तरह से वित्त वर्ष 2013-14 में जहां 5,62,521 नए रोजगार का सृजन हुआ था, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह 70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,54,899 पहुंच गया।

6–खादी कारीगरों के पारिश्रमिक में रिकॉर्ड वृद्धि–

खादी कपड़ों के उत्पादन और बिक्री बढ़ने का लाभ खादी क्षेत्र से जुड़े खादी कामगारों को भी मिल रहा है। वित्त वर्ष 2013-14 से अब तक इनके पारिश्रमिक में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। हाल ही में, 1 अप्रैल, 2023 से खादी कारीगरों के पारिश्रमिक में 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई है।

7–नई दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित 'खादी भवन' का नया रिकॉर्ड–

2 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित केवीआईसी के फ्लैगशिप 'खादी भवन' की बिक्री ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील पर खादी प्रेमियों ने, एक दिन में, पहली बार 1.34 करोड़ रुपये की खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद खरीद कर नया कीर्तिमान बना दिया।

8–प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) से 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण–

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अभियान से देश के युवाओं को जोड़ने के लिए PMEGP ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह योजना 'नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने' के पीएम मोदी के सपने को साकार करती है। वर्ष 2008-09 से वर्ष 2022-23 तक 21870.18 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरण के साथ ही, इस वर्ष 8.69 लाख परियोजनाओं की स्थापना कर 73.67 लाख लोगों को रोजगार का अवसर प्रदान किया गया है। यही नहीं, 80% से अधिक इकाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें से 50% से अधिक इकाइयों का नेतृत्व एससी, एसटी और महिला उद्यमी कर रही हैं। इतना ही नहीं, आकांक्षी जिलों में 14% से अधिक इकाइयां स्थापित की गई हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान उपलब्धि 85167 इकाइयों की थी जिसमें 9.37 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए।

9– 'ग्रामोद्योग विकास योजना' का नया रिकॉर्ड–

गरीब कल्याण और समाज के सबसे निम्न स्तर पर कार्य करने वाले कारीगरों के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग 'ग्राम विकास योजना' के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। "हनी मिशन" कार्यक्रम के अंतर्गत 2017-18 से अब तक, 19118 लाभार्थियों को 1 लाख 89 हजार 989 लाख मधुमक्खी-बॉक्स और मधुमक्खी कालोनी का वितरण किया जा चुका है। 'कुम्हार सशक्तिकरण' कार्यक्रम के माध्यम से, अभी तक 25 हजार से अधिक कुम्हारों को आधुनिक विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील) का वितरण किया जा चुका है।

◆◆◆

ग्रामीण क्षेत्रों में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" और 'लोकल से ग्लोबल' विजन का विस्तार करने के उद्देश्य से, आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने हैदराबाद में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित 300 कारीगरों को उपकरण और प्रमाण पत्र वितरित किए

केवीआईसी वंचित कारीगरों के कल्याण के लिए 'ग्राम विकास योजना' के तहत कई कार्यक्रम चला रहा है

- श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी

19 जून 2023 को हैदराबाद खादी और ग्रामोद्योग आयोग (एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार) राज्य कार्यालय, तेलंगाना ने आज हैदराबाद के यूसुफगुडा स्थित राज्य कार्यालय, केवीआईसी में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत एक जागरूकता और टूलकिट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने तेलंगाना के लगभग 300 प्रशिक्षित कारीगरों को मुफ्त में औज़ार और उपकरण वितरित किए। इस कार्यक्रम में पेपर प्लेट बनाने, पेपर बैग बनाने, अगरबत्ती बनाने, इमली प्रसंस्करण जैसे विभिन्न उद्योगों के कारीगरों, चर्म कारीगरों और आदिवासी मधुमक्खी पालकों ने भाग लिया है।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मनोज कुमार ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत दुनिया के सामने खुद को एक मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में प्रदर्शित कर रहा है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उत्पादों का कारोबार रु.1.34 लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। पिछले 9 वित्तीय वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगरों द्वारा बनाए गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332% की

अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री के लोकल से ग्लोबल भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए "मेक इन इंडिया" के साथ-साथ "मेक फॉर द वर्ल्ड" के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रदान की जा रही मशीनरी और टूलकिट का उपयोग करने हेतु कारीगरों से आह्वान किया।

श्री मनोज कुमार ने यह भी कहा कि केवीआईसी वंचित कारीगरों के कल्याण के लिए 'ग्राम विकास योजना' के अंतर्गत कई प्रमुख कार्यक्रम चला रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण और मुफ्त उपकरण व मशीनें प्रदान करके उनका उत्थान करना है। यह बताते हुए कि पिछले तीन वर्षों में तेलंगाना के लगभग 1500 कारीगरों को इस योजना से लाभ हुआ है, उन्होंने बेरोजगार युवाओं से केवीआईसी द्वारा प्रदान की गई विभिन्न योजनाओं का उपयोग करके स्व नियोजित बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान, श्री मनोज कुमार ने तेलंगाना के लिए प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) मार्जिन मनी (सब्सिडी) की रु.100 करोड़ की धनराशि भी जारी की। इससे लगभग 3000 उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा और अप्रत्यक्ष रूप से कई लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक उद्योगों के पुनर्सृजन के लिए निधि योजना (स्फूर्ति) के अंतर्गत केवीआईसी द्वारा वानापर्थी जिले में रु.2 करोड़ के रेडीमेड परिधान क्लस्टर को स्वीकृति दी गई। इस क्लस्टर को वानापर्थी जिले में अनुमोदन दिया गया है, जिससे 150 कारीगरों को लाभ होगा। इस अवसर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए, जहां जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन ने वर्ष 2023-24 के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ एक समझौता किया है।

श्री आर. एस. पांडे, आंचलिक उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी व राज्य निदेशक डॉ. मनोज लंका, केवीआईसी, तेलंगाना, राज्य कार्यालय के अधिकारी, डॉ. एस ग्लोरी स्वरूपा, एनआई-एमएसएमई महानिदेशक ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

◆◆◆

खादी गतिविधियों के विकास के लिए तेलंगाना में खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और केवीआईसी कर्मचारियों के साथ चर्चा

20 जून, 2023: श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने एनआई-एमएसएमई के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उनके परिसर में उद्यमियों को सशक्त बनाने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक प्रगति में वृद्धि करने वाली सहायक गतिविधियों का पता लगाने हेतु रचनात्मक चर्चा की।

उन्होंने पीएमईजीपी इकाइयों के उद्यमियों और खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा केवीआईसी तेलंगाना राज्य कार्यालय के समर्पित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर भी चर्चा की।

◆◆◆

तेलंगाना राज्य में खादी ग्रामोद्योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा उपकरणों का वितरण

20 जून : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' से 31,471 लोगों को नया रोजगार मिला है। श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने हैदराबाद, तेलंगाना में "दक्षिण अंचल" के 5 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश के 2861 "नए उद्यमियों नई इकाइयों" को लगभग रु.100 करोड़ की मार्जिन मनी सब्सिडी जारी की है ताकि उन्हें "लोकल से ग्लोबल" अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा सके। केंद्र सरकार की सब्सिडी से भारत के 'नए उद्यमियों" को नई ऊर्जा मिल रही है।

अपने हैदराबाद दौरे के दौरान, श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने ग्राम विकास योजना के अंतर्गत

300 कारीगरों को पेपर प्लेट मशीनें, अगरबत्ती बनाने की मशीनें, इमली प्रसंस्करण मशीनें, डिग्नीटी के अंतर्गत चाय विक्रेताओं को साइकिल और चर्म कारीगरों को टूलकिट वितरित किए तथा उन्हें आत्मनिर्भर भारत में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'न्यू इंडिया' विजन में ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया है। 'हर हाथ को काम और काम का उचित दाम'... खादी और ग्रामोद्योग आयोग की हर योजना के पीछे यही 'दर्शन' है। जब 'ग्रामीण भारत के कौशल को प्रोत्साहन मिलता है' तो विकास के रास्ते अपने आप खुलने लगते हैं।

आत्मनिर्भरता से समृद्धि! खादी कारीगरों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष, केवीआईसी ने उन्हें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत ऋण सुविधा का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। 'ग्राम विकास योजना, अध्यक्ष ने पेपर प्लेट और अगरबत्ती बनाने की मशीनें, इमली प्रसंस्करण मशीनें, चाय विक्रेताओं को डिग्नीटी और चर्म कारीगरों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इन प्रयासों से केवीआईसी देश के ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना रहा है।

◆◆◆

.....तेलंगाना राज्य में खादी ग्रामोद्योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा उपकरणों का वितरण

श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने एनआई-एमएसएमई के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उनके परिसर में रचनात्मक चर्चा की, उद्यमियों को सशक्त बनाने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक प्रगति में वृद्धि करने वाली सहायक गतिविधियों का पता लगाने हेतु रचनात्मक चर्चा की।

अध्यक्ष, केवीआईसी ने पीएमईजीपी इकाइयों के उद्यमियों और खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और केवीआईसी तेलंगाना राज्य कार्यालय के समर्पित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की, स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की।

6 जून, 2023: केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने आईआईपीए, दिल्ली में 'राष्ट्रीय स्तर के एक दिवसीय सम्मेलन' में देश भर के राज्यों से 'खादी और ग्रामोद्योग आयोग' और 'खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड' के अधिकारियों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता की।

एंब्रेस द कॉल ऑफ द वाइल्ड!

श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने सभी से आग्रह किया कि वे हमारे ग्रह के बहुमूल्य प्राणियों की रक्षा करने और उनके घरों की सुरक्षा के लिए एक साथ आएं। आंदोलन में शामिल हों, कार्रवाई करें और वह आवाज़ बनें जो मनुष्यों और वन्यजीवों के बीच सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए पीढ़ियों तक गूंजती रहे।

केवीआईसी के कार्यालयों में एमएसएमई दिवस समारोह

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 27 जून, 2023 को देश भर में अपने राज्य और मंडलीय कार्यालयों में एमएसएमई दिवस मनाया।

समारोह की झलकियाँ

विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण

23 जून, 2023 को सरकारी टूल रूम, टाटीसिल्वा, रांची, झारखंड में ग्राम विकास योजना के अंतर्गत बीस कुम्हार कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय सेठ, माननीय सांसद, रांची निर्वाचन क्षेत्र उपस्थित थे। श्री मनोज कुमार सिंह, माननीय सदस्य (पूर्वी अंचल) केवीआईसी ने सम्मानित अतिथि के रूप में, महाप्रबंधक डीआईसी, एलडीएम बैंक ऑफ इंडिया, प्रधानाचार्य, जेजीटीआर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

◆◆◆

प्रेस कवरेज

ADVERTORIAL

A Momentous Leap by KVIC for Registering 332% Sales Growth in 9 years

Khadi India

Manoj Kumar Chairman KVIC

The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has presented a gratified image of a robust India in front of the world by taking the 'Aatmanirbhar Bharat Abhiyaan' under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi to new heights. For the first time in the history of independent India, the turnover of Khadi and Village Industries Commission products has crossed Rs.1.34 lakh crores figure. In the last 9 financial years, there has been an unprecedented growth of 332% in the sale of indigenous Khadi products made by artisans in rural areas. While the turnover of Khadi and Village Industries products was Rs.31,154 crores in the financial year 2013-14, it has increased to the highest level of Rs.1,34,630 crores in the financial year 2022-23, which is the best ever achievement till now. Similarly, KVIC has set a new milestone by creating 9,54,899 new jobs in rural areas.

Hon'ble Chairman of KVIC Shri Manoj Kumar has rightly given the credit of this achievement to the true inspiration of Mahatma Gandhi, and the 'Brand Shakti' of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi along with the tireless hard work of artisans working in remotest villages of the country. He stated that Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi has promoted Khadi

on every platform in the country and abroad, due to which Khadi has attained a new peak of popularity. Today Khadi products are counted among the most trusted brands in the world. In the financial year 2013-14 to 2022-23, where there was an increase of 268% in the production of KVI products, the sales touched the figure of 332%, breaking all records. This is the proof that the trust of the people of the country has augmented on 'Make in India', 'Vocal for local' and also for 'Swadeshi products'.

During the 9 years tenure of the 'Modi Government' at the Centre, 9 such records of 'prosperity from self-reliance' have been established with the efforts of the KVIC, which have injected a new life to Khadi.

1. Exceptional growth in the production of KVI products – While the production of KVI products was Rs.26,109 crores in the financial year 2013-14, it has reached Rs.95957 crores in the financial year 2022-23 with a remarkable leap of 268%. This figure of production is a strong proof that the KVIC has done momentous job in the rural areas.

2. A Big boom in sale of KVI products – In the last 9 financial years, in terms of sales KVI products have created new records every year. While the sales in FY 2013-14 was worth Rs.31,154 crores, with an unprecedented growth of 332%, it reached Rs.1,34,630 crores in FY 2022-23, which has been the highest ever.

3.New record of production of Khadi Fabrics – There has also been an unmatched growth in the production of Khadi fabrics in the last 9 years. In the financial year 2013-14, where the production of Khadi clothes was Rs 811 crore, with a jump of 260%, it has touched the figure of Rs.2916 crore in the financial year 2022-23, which is the best ever performance so far.

4. Khadi fabric sale also created a new history – There has also been a rapid growth in the demand for Khadi fabrics in the last 9 financial years. In the financial year 2013-14, where its sales was only Rs.1081 crores, during the financial year 2022-23, it increased by 450% to touch the figure of Rs.5943 crores. After Covid-19, the demands for organic clothes have increased all over the world. Owing to this there has been a rapid increase in demand for Khadi garments. Along with this, the promotion of Khadi by our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi on every platform has also made a huge impact on augmenting the sale of Khadi fabrics.

5. New record of Employment Generation and Cumulative Employment Generation –

7. New Record of 'Khadi Bhawan' located at Connaught Place, New Delhi – On 2nd October 2022, the sale of KVIC's flagship 'Khadi Bhavan' at Connaught Place, New Delhi broke all-time records. On the appeal of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, Khadi lovers created a new record for the first time by purchasing KVI products worth Rs.1.34 crores in a single day.

8. Making of 'Aatmanirbhar Bharat' out-of the Prime Minister's Employment Generation Program (PMEGP) – PMEGP has set a new record in involving the youth of the country with the Swadeshi Abhiyan of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. This scheme fulfils PM Modi's dream of 'becoming a job provider rather than a job seeker'. A total of 73.67 lakh people have been provided employment opportunities by setting up 8.69 lakh new projects during this financial year, with a total margin money subsidy disbursement of Rs 21870.18 crore from year 2008-09 to 2022-23. Not only this, more than 80% units are set up in rural areas, out of which more than 50% units are owned by SC, ST and women entrepreneurs. Also, more than 14% units have been set up in aspirational districts. During the year 2022-23, the achievement was 85167 units in which 9.37 lakh employment opportunities were provided.

9. New record of 'Gramodyog Vikas Yojana' – KVIC is executing several key programs under the 'Gram Vikas Yojana' for the welfare of the deprived and for the artisans working at the bottommost level of the society. Since 2017-18 till now, 1,89,989 lakh bee-boxes and bee-colonies have been distributed to a total of 19118 beneficiaries under the ambitious "Honey Mission" programme. Similarly, through the 'Kumhar Sashaktikaran' programme, modern electric potters' wheels have been distributed to more than 25 thousand potters, so far.

A Momentous Leap by KVIC for Registering 332% Sales Growth in 9 years

VNC Media 10, June 2023

Jagdish Sharma

New Delhi : The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has presented a gratified image of a robust India in front of the world by taking the 'Aatmanirbhar Bharat Abhiyaan' under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi to new heights. For the first time in the history of independent India, the turnover of Khadi and Village Industries Commission products has crossed Rs.1.34 [illegible]

Khadi body looks to avoid price hikes, boost e-sales

Sidhartha@timesgroup.com

New Delhi: Having raised wage rates by a third, Khadi & Village Industries Commission (KVIC) is seeking to keep prices under check and to stay competitive in the market, as it looks to expand more into the online space, including through Open Network for Digital Commerce.

The move comes amid a push to increase khadi sales by around 18% to Rs 7,000 crore in the current fiscal, against Rs 5,943 crore in 2022-23. "We are in talks with khadi institutions and we are trying to see how we can split the cost and, if possible, not increase prices for consumers," KVIC chairman Manoj Kumar told TOI. He said wages had to be increased as there had been no revisions for 6-7 years.

"We are seeing if production and sales can be pushed up further by not just looking at the Delhi store but through more national focus as well as by using the online marketplace," he said, adding that several new stores are also in the pipeline.

Besides, Kumar said there is a bid to align prices of KVIC products such as mustard oil and other goods to market prices with a variation of 20% or so allowed because "the quality of goods is superior".

KVIC is also hoping that its tie-up with NIFT will help it reach out more to the younger audience with some special stores also planned with the first one likely to come up in IIT Delhi. Kumar said an agreement with a government-owned entity will provide a marketable [illegible] He said several new products, such as those from Khadi denim (for which KVIC has tied up with Arvind Mills) to new aprons, and new types of saris, are also lined up.

प्रेस कवरेज

केवीआईसी ने 9 वर्षों 332 प्रतिशत की बिक्री में वृद्धि कर रचा इतिहास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर प्रस्तुत की है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। तुलनात्मक रूप से देखें तो पिछले 9 वित्त वर्षों में ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 31154 करोड़ रुपये थाए वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 134630 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयाए जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में 954899 नये रोजगार का सृजन करए केवीआईसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूज्य महात्मा गांधी की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'ब्रांड शक्ति' और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और विदेश में हर मंच से खादी का प्रचार-प्रसार किया हैए जिससे आज खादी लोकप्रियता के नये शिखर पर पहुंच चुकी है। आज खादी उत्पादों की गिनती विश्व के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में होती है। वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट्स के उत्पादन में जहां 268 प्रतिशत की वृद्धि हुईए वहीं बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 332 प्रतिशत के आंकड़े को छू लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि 'मेक इन इंडियाष्ए 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर देश की जनता का भरोसा बढ़ा है। केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों सेए स्वावलंबन से समृद्धि के 9 ऐसे कीर्तिमान स्थापित हुए हैं जिसने खादी को नई संजीवनी दी है।

केवीआईसी ने रचा इतिहास, 9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर प्रस्तुत की है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। तुलनात्मक रूप से देखें तो पिछले 9 वित्त वर्षों में, ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 31154 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 1,34,630करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में 9,54,899 नये रोजगार का सृजन कर, केवीआईसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूज्य महात्मा गांधी की प्रेरणा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'ब्रांड शक्ति' और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और विदेश में हर मंच से खादी का प्रचार-प्रसार किया है, जिससे आज खादी लोकप्रियता के नये शिखर पर पहुंच चुकी है। आज खादी उत्पादों की गिनती विश्व के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में होती है। वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट्स के उत्पादन में जहां 268 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 332 प्रतिशत के आंकड़े को छू लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर देश की जनता का भरोसा बढ़ा है।

आगे पूरी करें सरकार

केवीआईसी: 9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि

उमेश कुमार, लोकसत्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर प्रस्तुत की है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है।

तुलनात्मक रूप से देखें तो पिछले 9 वित्त वर्षों में, ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 31154 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 1,34,630 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में 9,54,899 नये रोजगार का सृजन कर, केवीआईसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय महात्मा गांधी की प्रेरणा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'ब्रांड शक्ति' और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और विदेश में हर मंच से खादी का प्रचार-प्रसार किया है, जिससे आज खादी लोकप्रियता के नये शिखर पर पहुंच चुकी है। आज खादी उत्पादों की गिनती विश्व के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में होती है। वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट्स के उत्पादन में जहां 268 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 332 प्रतिशत के आंकड़े को छू लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर देश की जनता का भरोसा बढ़ा है।

کے وی آئی سی نے تاریخ رقم کی، 9 برسوں میں فروخت میں 332 فیصد اضافہ

प्रेस कवरेज

கடந்த 9 ஆண்டுகளில்

காதி பொருட்களின் விற்பனை 332 சதவீதம் உயர்ந்துள்ளது

ஆணைய தலைவர் தகவல்

ಸಾಧನೆಯ ಶಿಖರದಲ್ಲಿ ಖಾದಿ-ಗ್ರಾಮೋದ್ಯೋಗ

Eesanje Edition
Jun 11, 2023 Page No. 6
Powered by : eReleGo.com

"The Pragatibadi" dated 10.06.23

ଖଦି ଓ ଗ୍ରାମୋଦ୍ୟୋଗ ବିକ୍ରି ୯ ବର୍ଷରେ ୩୩୨% ବୃଦ୍ଧି

କାରବାର ୧.୩୪ ଲକ୍ଷ କୋଟି ଟଙ୍କା ଟପିଲା

www.navbihartimes.com ■ बिहार का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

अपना प्रदेश, अपनी बात

कठिन परिश्रम से सफलता मिलती है, आलस्य से पराजय, अहंकार से कठिनाइयां।

नरेंद्र मोदी की पहल से खादी पर फिदा हुए देशवासी

बिक्री में 332 फीसदी की वृद्धि कर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने लिखी कामयाबी की नई कहानी

प्रेस कवरेज

दैनिक नवज्योति

केवीआईसी ने रचा इतिहास, 9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि

अर्थ प्रकाश

अभिव्यक्ति

केवीआईसी ने रचा इतिहास, 9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि

खादी दुनिया के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में शुमार : मनोज कुमार

- ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से खादी का विस्तार, 9.54 लाख लोगों को मिला रोजगार
- केवाईआई के उत्पादों की बिक्री 1.34 लाख करोड़ के पार

भास्कर संवाददाता | मुंबई

खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है। केवाईआईसी में 9.54 लाख ग्रामीणों को रोजगार मिला है। दुनिया के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में शुमार खादी का सालाना कारोबार पहली बार 1.34 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नौ साल से खादी को प्रोत्साहन दे रहे हैं। इस अवधि में खादी के उत्पादों के उत्पादन में 268 फीसदी, जबकि कारोबार में 332 प्रतिशत इजाफा हुआ है। यह जानकारी केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने सोमवार को दी।

मनोज कुमार ने कहा कि पीएम मोदी ने घरेलू और विदेशी मंचों पर खादी को प्रोत्साहन दिया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रेरणा और कारीगरों की मेहनत रंग ला रही है। हाथ से बने और पर्यावरण अनुकूल खादी उत्पादों की मांग साल-दर-साल बढ़ रही है।

रोजगार का सृजन

उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने ग्रामीण इलाकों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए बीते 9 वर्षों में उत्पादन और बिक्री का रिकॉर्ड कायम किया है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में केवीआईसी में संचयी रोजगार जहां 1.30 करोड़ था, वहीं 2022-23 में वह 36 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.77 करोड़ तक पहुंच गया। इसी अवधि में 5.62 लाख नए रोजगारों का सृजन हुआ था। पिछले साल (2022-23) में 9.54 लाख लोगों को रोजगार मिला था।

उत्पादन 268% बढ़ा

वित्त वर्ष 2013-14 में केवीआईसी का उत्पादन 26,109 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2022-23 में यह 268 प्रतिशत उछाल के साथ 95,957 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष में 1.34 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई।

देश में 8 हजार दुकानें

केवीआईसी अध्यक्ष ने बताया कि देश भर में खादी उत्पाद 8 हजार दुकानों पर उपलब्ध है। ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए खादी ने ई-प्लेटफॉर्म भी शुरू किया है।

दैनिक भास्कर Tue, 13 June 2023 https://epaper.bhaskarhindi.com/c/72666

Turnover for Khadi sector crosses ₹1.34 lakh crore

DC CORRESPONDENT

प्रेस कवरेज

"The Himmat"
Dated: 13.06.2023

ଇତିହାସ ସୃଷ୍ଟି କଲା ଖଦି ଓ ଗ୍ରାମୋଦ୍ୟୋଗ ଆୟୋଗ ୯ ବର୍ଷ ରେ ବିକ୍ରି ରେ ୩୩୨% ବୃଦ୍ଧି

فروخت میں 332 فیصد کا اضافہ کر کے کے وی آئی سی نے تاریخ رقم کی

नवभारत

केवीआईसी ने रचा इतिहास, 9 वर्षों में बिक्री में 332% की वृद्धि

Manoj Kumar Chairman KVIC

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर प्रस्तुत की है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। तुलनात्मक रूप से देखें तो पिछले 9 वित्त वर्षों में, ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 31154 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 1,34,630 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में 9,54,899 नये रोजगार का सृजन कर, केवीआईसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूज्य महात्मा गांधी की प्रेरणा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'ब्रांड पावर' और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश और विदेश में हर मंच से खादी का प्रचार-प्रसार किया है, जिससे आज खादी लोकप्रियता के नये शिखर पर पहुंच चुकी है। आज खादी उत्पादों की गिनती विश्व के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में होती है। वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट्स के उत्पादन में जहां 268 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 332 प्रतिशत के आंकड़े को छू लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर देश की जनता का भरोसा बढ़ा है।

केंद्र की 'मोदी सरकार' के 9 वर्षों के कार्यकाल में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों से, 'स्वावलंबन से सर्वश्रेष्ठ समृद्धि' के 9 ऐसे कीर्तिमान स्थापित हुए हैं जिसने खादी को नई संजीवनी दी है।

1-खादी और ग्रामोद्योगी प्रोडक्ट्स के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि-
वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का उत्पादन जहां 26,109 करोड़ रुपये था वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह 268 प्रतिशत के उछाल के साथ 95957 करोड़ रुपये पहुंच गया। उत्पादन का यह आंकड़ा इस बात का सशक्त प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्र में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ऐतिहासिक कार्य किया है।

2-खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री में बड़ा उछाल-
पिछले 9 वित्त वर्षों में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों ने बिक्री के मामले में हर वर्ष नये रिकॉर्ड बनाये है। वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154 करोड़ रुपये थी वहीं 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2022-23 में 1,34,630 करोड़ रुपये पहुंच गई, जोकि अब तक की सर्वाधिक बिक्री रही है।

3-खादी कपड़ों (Khadi Fabric) के उत्पादन का नया कीर्तिमान-
पिछले 9 वर्षों में खादी कपड़ों के उत्पादन में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खादी कपड़ों का कुल उत्पादन 811 करोड़ रुपये था वहीं 260 प्रतिशत के उछाल के साथ यह वित्त वर्ष 2022-23 में 2916 करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गया, जोकि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

4-खादी कपड़ों (Khadi Fabric) की बिक्री ने भी रचा नया इतिहास-
पिछले 9 वित्त वर्षों में खादी के कपड़ों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां इसकी बिक्री सिर्फ 1081 करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में 450 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 5943 करोड़ रुपये पहुंच गई। कोविड-19 के बाद पूरी दुनिया में ऑर्गेनिक कपड़ों की मांग बढ़ी है। इसके कारण खादी के कपड़ों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हर मंच से खादी को प्रमोट करने का भी व्यापक असर खादी के कपड़ों की बिक्री पर पड़ा है।

5-नये रोजगार सृजन और संचयी रोजगार (Cumulative Employment) सृजन का नया कीर्तिमान-
खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना है। इस क्षेत्र में भी केवीआईसी ने पिछले 9 वर्षों में रिकॉर्ड कायम किया है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां संचयी रोजगार (Cumulative Employment) 13,038,444 था, वहीं यह 2022-23 में 36 प्रतिशत वृद्धि के साथ १७,७१६,२८८ तक पहुंच गया। इसी तरह से वित्त वर्ष २०१३-१४ में जहां ५,६२,५२१ नए रोजगार का सृजन हुआ था, वहीं वित्त वर्ष २०२२-23 में यह 70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ९,५४,८९९ पहुंच गया।

6-खादी कारीगरों के पारिश्रमिक में रिकॉर्ड वृद्धि-
खादी कपड़ों के उत्पादन और बिक्री बढ़ने का लाभ खादी क्षेत्र से जुड़े खादी कामगारों को भी मिल रहा है। वित्त वर्ष 2013-14 से अब तक इनके पारिश्रमिक में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। हाल ही में, 1 अप्रैल, 2023 से खादी कारीगरों के पारिश्रमिक में 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई है।

7-नई दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित 'खादी भवन' का नया रिकॉर्ड-
2 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित केवीआईसी के फ्लैगशिप 'खादी भवन' की बिक्री ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील पर खादी प्रेमियों ने एक दिन में, पहली बार 1.34 करोड़ रुपये की खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद खरीद कर नया कीर्तिमान बना दिया।

8 - प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) से 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण-
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अभियान से देश के युवाओं को जोड़ने के लिए PMEGP ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह योजना नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने के पीएम मोदी के सपने को साकार करती है। वर्ष 2008-09 से वर्ष 2022-23 तक 21870.18 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरण के साथ ही, इस वर्ष 8.69 लाख परियोजनाओं की स्थापना कर 73.67 लाख लोगों को रोजगार का अवसर प्रदान किया गया है। यही नहीं, 80% से अधिक इकाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें से 50% से अधिक इकाइयों का नेतृत्व एससी, एसटी और महिला उद्यमी कर रही हैं। इतना ही नहीं, आकांक्षी जिलों में 14% से अधिक इकाइयां स्थापित की गई हैं। है। वर्ष 2022-23 के दौरान उपलब्धि 85167 इकाइयों की थी जिसमें 9.37 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए।

9- ग्रामोद्योग विकास योजना का नया रिकॉर्ड-
गरीब कल्याण और समाज के सबसे निम्न स्तर पर कार्य करने वाले कारीगरों के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग 'ग्राम विकास योजना' के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। 'हनी मिशन' कार्यक्रम के अंतर्गत २०१७-१८ से अब तक, १९११८ लाभार्थियों को १ लाख ८९ हजार ९८९ लाख मधुमक्खी-बॉक्स और मधुमक्खी कालोनी का वितरण किया जा चुका है। 'कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से, अभी तक 25 हजार से अधिक कुम्हारों को आधुनिक विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील) का वितरण किया जा चुका है।

प्रेस कवरेज

காதி ஆடைகளின் தேவை அதிகரிப்

கிராமத்தொழில்கள் ஆணைய தலைவர் தகவல்

விருபாண்டி, ஜூன்.13–
காதி மற்றும் கிராமத் தொழில்கள் ஆணையத் தலைவர் மனோஜ் குமார் கூறியதாவது–

பிரதமர் மோடி தலைமையில் கீழ் தற்சார்பு இந்தியா திட்டத்தை புதிய உயரத்திற்கு கொண்டு செல்லும் வகையில் காதி மற்றும் கிராம தொழில் ஆணையம் வலுவான இந்தியாவின் தோற்றத்தை உலக நாடுகள் முன்வைத்துள்ளது. சுதந்திர வரலாற்றில் முதன்முறையாக காதி மற்றும் கிராம தொழில்கள் ஆணைய பொருட்கள் விற்பனை 1.3 லட்சம் கோடியை கடந்து சாதனை படைத்துள்ளது. நிதியாண் 2013–14 முதல் 2022–23 வரை காதி மற்றும் கிராமத் தொழில்துறை பொருட்களின் உற்பத்தி 268 சதவீதம் அதிகரித்துள்ளது. விற்பனை 332 சதவீதம் உயர்ந்துள்ளது. கொரோனா பெருந்தொற்றுக்கு பிறகு உலகம் முழுவதும் இயற்கை சார்ந்த துணிகளின் தேவை அதிகரித்தது. இதன் காரணமாக காதி ஆடைகளின் தேவையு வேகமாக உயர்ந்தது.

2013–14–ல் 130,38,444 ஆக இருந்த ஒட்டு மொத்த வேலை வாய்ப்பு, நிதியாண்டு 2022–23–ல் 36 சதவீதம் அதிகரித் 177,16,288 என்ற எண்ணிக்கையை பதிவு செய்தது. அதேபோ 2013–14 நிதியாண்டில் 5,62,521 புதிய வேலைவாய்ப்புகள் உ வாக்கப்பட்டது. இந்த எண்ணிக்கை 2022–23–நிதியாண்டில் 7 சதவீதம் அதிகரித்து 9,54,899 ஆக இருந்தது.

கடந்த ஏப்ரல் மாதம் முதல், காதி கைவினைக் கலைஞர்களி ஊதியம் மேலும் 33 சதவீதம் கூடுதலாக உயர்த்தப்பட்டுள்ள இந்த நிதியாண்டில் 8.69 லட்சம் புதிய திட்டங்கள் உருவாக்கப்பட் அதன் மூலம் மொத்தம் 73.67 லட்சம் பேருக்கு வேலைவாய்ப் வழங்கப்பட்டுள்ளது. 2008–09 முதல் 2022–23 வரை ரூ.21,870.1 கோடி மானியமாக வழங்கப்பட்டுள்ளது. தேன் இயக்கம் திட்டத்தி கீழ் 19,118 பயனாளிகளுக்கு 1,89,989 லட்சம் தேனீ வளர்ப்பு உப ணங்கள் வழங்கப்பட்டுள்ளன. இவ்வாறு அவர் கூறினார்.

केवीआईसी ने रचा इतिहास, 9 वर्षों में बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि

आर्थिक वर्षात १.३४ लाख कोटी रुपयांची विक्री

खादीच्या विक्रीत ३३२टक्के वाढ

मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. अलीकडच्या काळात विशेषतः मोदी सरकार सत्तेवर आल्यानंतर खादीशी संबंधित उत्पादनांना प्रचंड मागणी वाढली आहे. याचाच परिणाम म्हणजे गेल्या नऊ आर्थिक वर्षांमध्ये ग्रामीण भागातील कारागिरांनी बनवलेल्या स्वदेशी खादी उत्पादनांच्या विक्रीत 332 टक्क्यांनी प्रचंड वाढ झाली आहे. आर्थिक वर्ष 2013-14 मध्ये खादी आणि ग्रामोद्योग उत्पादनांचा व्यवसाय 31154 कोटी रुपयांचा होता. हा आकडा आर्थिक वर्ष 2022-23 मध्ये 1,34,630 कोटी रुपयांपर्यंत वाढला आहे. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी हे स्वतः खादी आणि त्याच्याशी संबंधित उत्पादनांचे सर्वात मोठे ब्रँड अ‍ॅम्बेसेडर राहिले आहेत. खादीच्या प्रचारासाठी ते सातत्याने प्रयत्न करीत आहेत. परिणामी, खादी उत्पादनांचा व्यवसाय प्रथमच 1.34 लाख कोटी रुपयांच्या पुढे गेला आहे. त्याचप्रमाणे खादी आणि ग्रामोद्योगने ग्रामीण भागात 9,54,899 नवीन नोकऱ्या निर्माण केल्या आहेत.

जगातील विश्वासार्ह ब्रँड

खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाचे अध्यक्ष मनोज कुमार म्हणाले की, पंतप्रधान मोदी यांनी देश-विदेशातील प्रत्येक व्यासपीठावरून खादीचा प्रचार केला, त्यामुळेच आज खादी लोकप्रियतेच्या नवीन शिखरावर पोहोचली आहे. आज खादी उत्पादनांची गणना जगातील सर्वात विश्वासार्ह ब्रँडमध्ये केली जाते. 2013-14 ते 2022-23 या आर्थिक वर्षात खादी आणि ग्रामोद्योग उत्पादनांच्या उत्पादनात 268 टक्के वाढ झाली होती. आताच्या विक्रीने सर्व विक्रम मोडीत काढत 332 टक्क्यांपर्यंत मजल मारली. स्थानिक आणि स्वदेशी उत्पादनांसाठी आवाज उठवण्याचा मेक इन इंडियावर देशातील लोकांचा विश्वास वाढल्याचे यावरून दिसून येते.

सर्वोत्तम कामगिरी

आर्थिक वर्ष 2013-14 मध्ये खादी आणि ग्रामोद्योग उत्पादनांचे उत्पादन 26,109 कोटी रुपये होते. हा आकडा 2022-23 या आर्थिक वर्षात 268 टक्के वाढीसह 95957 कोटी रुपयांवर पोहोचला. गेल्या 9 वर्षांत खादी कपड्यांच्या उत्पादनात अभूतपूर्व वाढ झाली आहे. खादी कपड्यांचे उत्पादन 2013-14 या आर्थिक वर्षात 811 कोटी रुपये होते. उत्पादनात 2022-23 या आर्थिक वर्षात 260 टक्क्यांची वाढ होऊन 2916 कोटी रुपयांचा आकडा गाठला. ही आजपर्यंतची सर्वोत्तम कामगिरी आहे.

खरेदीचा विक्रम

नवी दिल्लीतील कॅनॉट प्लेस येथे 2 ऑक्टोबर 2022 रोजी प्रमुख खादी भवनच्या विक्रीने मागील सर्व विक्रम मोडले. पंतप्रधान मोदींच्या आवाहनावर खादी आवडणाऱ्यांनी एकाच दिवसात प्रथमच 1.34 कोटी रुपयांची खादी आणि ग्रामोद्योग उत्पादने खरेदी करून नवीन विक्रम केला.

ऑर्गेनिक कपड्यांची मागणी : खादी कपड्यांची मागणीही झपाट्याने वाढली आहे. 2013-14 या आर्थिक वर्षात जिथे तिची विक्री केवळ 1081 कोटी रुपये होती, तिथे 2022-23 या आर्थिक वर्षात 450 टक्क्यांच्या वाढीसह ती 5943 कोटींवर पोहोचली. कोविड-19 नंतर जगभरात ऑर्गेनिक कपड्यांची मागणी वाढली आहे. त्यामुळे खादी कपड्यांची मागणीही झपाट्याने वाढत आहे.

नवीन नोकऱ्यांची निर्मिती : खादीमुळे ग्रामीण भागात जास्तीत जास्त रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून देण्यातही यश आले आहे. 2013-14 या आर्थिक वर्षात 5,62,521 नवीन नोकऱ्यांची निर्मिती झाली होती, तर 2022-23 या आर्थिक वर्षात ती 70 टक्क्यांनी वाढून 9,54,899 वर पोहोचली आहे. 2013-14 या आर्थिक वर्षापासून त्यांच्या मानधनात 150 टक्क्यांहून अधिक वाढ झाली आहे. अलीकडेच, 1 एप्रिल 2023 पासून खादी कारागिरांच्या मोबदल्यात 33 टक्क्यांहून अधिक वाढ करण्यात आली आहे.

प्रेस कवरेज

KVIC એ ઈતિહાસ રચ્યો, ૯ વર્ષમાં વેચાણમાં ૩૩૨ % વૃદ્ધિ

खादी ग्रामोद्योग ने सृजित किए 9.54 लाख से अधिक रोजगार

केवीआइसी ने रचा इतिहास, पि
में बिक्री में 332 फीसदी की द

संवाददाता, पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारतअभियान' को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) ने नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर प्रस्तुत की है. स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआइसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है. तुलनात्मक रूप से देखें तो पिछले नौ वित्त वर्षों में ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाये गये स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. वित्त वर्ष 2013-14 में जहां खा और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 31154 करोड़ रुपये था. वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 1,34,630करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो अबतक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है. इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में 9,54,899 नये रोजगार का सृजन कर केवीआइसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है. खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूज्य महात्मा गांधी की प्रेरणा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'ब्रांड प्रधानमंत्री ने देश और विदेश मंच से खादी का प्रचार-प्रसार किया है, जिससेआज खादी लोकप्रियता के नये शिखर पर पहुंच चुकी है. आज खादी उत्पादों की गिनती विश्व के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में होती है. वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 में खादी और ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट्स के उत्पादन में जहां 268 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 332 प्रतिशत के आंकड़े को छू लिया है.

Khadi India

विशुद्ध
स्वादी
ग्रामोद्योग
उत्पाद
खरीदने के लिए

विजिट करें

www.khadiindia.gov.in

@kvicindia @Chairmankvic kvicindia @kvicindia @kvicindia www.kvic.org.in